This question paper contains 4+2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **619**

Unique Paper Code : **213457** **D**

Name of the Paper : **Paper – 4 (Sanskrit and Culture)**

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit Language**

(Admission of 2011 and onwards)

Semester : **IV**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए ।

Answer *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 5

Explain the following :

सं गच्छध्वं सं वदध्वं सं वो मनांसि जानताम् ।

देवा भागं यथा पूर्वे संजानाना उपासते ॥

P.T.O.

अथवा

(*Or*)

स्वस्ति न इन्द्रो वृद्धश्रवाः स्वस्ति न पूषा विश्ववेदाः ।

स्वस्ति नस् ताक्ष्यों अरिष्टनेमिः स्वस्ति नो बृहस्पतिर् दधातु ॥

2. गायत्री मन्त्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए । 5

Describe गायत्री मन्त्र in your own words.

3. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 5

Explain the following :

यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवं तदु सुप्तस्य तथैवैति ।

दूरं ममं ज्योतिषां ज्योतिरेकं तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु ॥

अथवा

(*Or*)

यस्मिन्नृचः साम यंजूषि यस्मिन् प्रतिष्ठिता रथनाभाविवाराः ।

यस्मिंश्चित्तं सर्वमोतं प्रजानां तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु ॥

4. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 5

Explain the following :

ईशा वास्यमिदं सर्वं यक्तिञ्च जगत्यां जगत् ।

तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्य स्विद् धनम् ॥

अथवा

(Or)

तदेजति तन्नैजति तद् दूरे तद्वन्तिके ।

तदन्तरस्य सर्वस्य तदु सर्वस्यास्य बाह्यत: ॥

5. ईशावास्योपनिषद् की शिक्षाओं को अपने शब्दों में लिखिए । 5

Write the teachings of ईशावास्योपनिषद् in your own words.

अथवा

(Or)

ईशावास्योपनिषद् के दर्शन पर प्रकाश डालिए ।

Write the Philosophy of ईशावास्योपनिषद्.

6. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 5

Explain the following :

सत्यान्न प्रमदितव्यम् । धर्मान्न प्रमदितव्यम् । कुशलान्न प्रमदितव्यम् । भूत्यै न प्रमदितव्यम् । स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम् । देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम् । मातृदेवो भव । पितृदेवो भव । आचार्यदेवो भव । अतिथिदेवो भव ।

अथवा

(Or)

श्रद्धया देयम् । अश्रद्धया देयम् । श्रिया देयम् । ह्रिया देयम् । भिया देयम् । संविदा देयम् । अथ यदि ते कर्मविचिकित्सा वा वृत्तविचिकित्सा वा स्यात् । ये तत्र ब्राह्मणा: सम्मर्शिन: । युक्ता आयुक्ता: । अलूक्षा धर्मकामा: स्यु: । यथा ते तत्र वर्तेरन् । तथा तत्र वर्तेथा: ।

7. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 6

Explain the following :

अकर्दममिदं तीर्थे भरद्वाज निशामय ।

रमणीयं प्रसन्नाम्बु सन्मनुष्यमनो यथा ॥

अथवा

(Or)

मा निषाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वतीः समाः ।

यत् क्रौञ्चमिथुनादेकमवधीः काममोहितम् ॥

8. आदिकाव्य के रूप में रामायण का मूल्याङ्कन कीजिए । 5

Evaluate रामायण as आदिकाव्य.

9. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 6

Explain the following :

पीठं दत्वा साधवेऽभ्यागताय

आनीयापः परिनिर्णिज्य पादौ ।

सुखं पृष्ट्वा प्रतिवेद्यात्मसंस्थां

ततो दद्यादन्नमवेक्ष्य धीरः ॥

अथवा

(Or)

अरोषणो यः समलोष्टकाञ्चनः

प्रहीणशोको गतसन्धिविग्रहः ।

निन्दाप्रशंसोपरतः प्रियाप्रिये

त्यजन्नुदासीनवदेष भिक्षुकः ॥

10. विदुर किस प्रकार के राजा को श्रेष्ठ कहते हैं ? 5

Who is the best ruler according to विदुर ?

अथवा

(Or)

विदुरनीति के अनुसार आर्य किसके जीवन को व्यर्थ बताते हैं ?

Whose life is considered worthless according to the आर्य as described in विदुरनीति ?

11. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 6

Explain the following :

इतः स्वर्गश्च मोक्षश्च मध्यं चान्तश्च गम्यते ।

न खल्वन्यत्र मर्त्यानां कर्मभूमौ विधीयते ॥

अथवा

(Or)

अत्रापि भारतं श्रेष्ठं जम्बूद्वीपे महामुने ।

यतो हि कर्मभूरेषा ह्यतोऽन्या भोगभूमयः ॥

12. विष्णुपुराण में जम्बूद्वीप की क्या विशेषताएँ बतायी गयी हैं ? 5

What qualities of जम्बूद्वीप are described in the विष्णुपुराण ?

अथवा

(Or)

विष्णुपुराण के अनुसार भारतवर्ष में कौन-कौनसी नदियाँ बहती हैं ?

Which rivers flow through भारतवर्ष according to विष्णुपुराण ?

13. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 6

Explain the following :

दक्षिणां दिशमुत्पन्नाः समीपे कण्टकद्रुमाः ।

उद्यानं गृहवासे स्यात्तिलान्वाऽप्यथ पुष्पितान् ॥

अथवा

(Or)

गृह्णीयाद्रोपयेद्वृक्षान्द्विजं चन्द्र प्रपूज्य च ।

ध्रुवाणि पञ्च वायव्यं हस्तं प्राजेशवैष्णवम् ॥

14. अग्निपुराण के अनुसार वृक्षों को किस प्रकार सींचने से वे फलयुक्त रहते हैं ? 6

How trees should be watered to make them fruitful according to अग्निपुराण ?